प्लासी का युद्ध →

कारण →

① मुर्शिद कुली खाँ के काल से ही दस्तक के दुरुपयोग के मुद्दे पर ब्रिटिश कम्पनी तथा नवाब के बीच मतभेद यह मतभेद दो प्रकार से

क- दस्तक की सुविधा कम्पनी को किंतु कम्पनी के ~~कर्मचारियों~~ अधिकारियों द्वारा निजी व्यापार के लिये इसका उपयोग किया जाना

ख- यह दस्तक भारतीय व्यापारियों के हाथ बेच दिया जाना

② परन्तु फिर भी मुर्शिदकुली खाँ अलीवर्दी खाँ की दृष्टि ब्रिटिश कम्पनी के प्रति थोड़ी नरम किन्तु सिराजुद्दौला की दृष्टि कम्पनी के प्रति कठोर

③ ब्रिटिश कम्पनी द्वारा सिराजुद्दौला के विरोधियों को सहायता दिया जाना | (दीवान राजवल्लभ और शौकतजंग)

④ फोर्ट विलियम की किलेबन्दी का मुद्दा तथा जून 1756 में नवाब का आक्रमण

⑤ ब्लैक होल की घटना - हालवेल

⑥ ब्रिटिश कम्पनी कर्नाटक में अपनी सफलता से उत्साहित तथा उसके द्वारा बंगाल में भी कठपुतली नवाब स्थापित करने का प्रयास | अतः क्लाइव द्वारा नवाब के प्रमुख अधिकारी, बंगाल के व्यापारी और बैंकरों के साथ साँठ-गाँठ (षड्यंत्र) |

अलीवर्दी खाँ का कथन "अंग्रेज मधुमक्खियों के समान

युद्ध का प्रभाव →

① प्लासी की सफलता के बाद बंगाल पर ब्रिटिश नियंत्रण स्थापित हो गया

② यहीं से बंगाल की लूट तथा दरिद्रीकरण आरंभ हुआ। कम्पनी को नये नवाब से 1 करोड़ 77 लाख रुपये मिले तथा व्यक्तिगत तौर पर क्लाइव को 20 लाख रुपये मिले। फिर, उसे 24 परगना की जागीर भी मिली।

③ कम्पनी ने बंगाल के व्यापार पर नियंत्रण स्थापित कर लिया तथा अपने अन्य यूरोपीय प्रतिद्वन्द्वियों को निषेधित कर दिया। ब्रिटिश कम्पनी ने अपने गुमाश्ते (दलालों) के जरिये बंगाल के शिल्पियों पर भी अपना नियंत्रण स्थापित किया। ~~किया~~

④ बंगाल के संसाधन के बदौलत ब्रिटिश कम्पनी ने फ्रांसीसियों के विरुद्ध तृतीय कर्नाटक युद्ध में सफलता पायी।

मेरियट का कथन "चाकी"

Scanned by CamScanner